Roll No. ..... Total Printed Pages - 5

F-3263

B.A. (Part - II) EXAMINATION, 2022

(Old Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:75*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिएः **21**

(अ) कोकिल वायस एक सम, पण्डित मूरख एक।

इन्द्रामन दाड़िम विषम, जहाँ न नेकु विवेक।।

बसिये ऐसे देश नहीं, कनक वृष्टि जो होय।

रहिए तो दुःख पाइये, प्रान दीजिए रोय।।

अथवा

मुझे लगता है कि वसन्त भागता-भागता चलता है। देश में नहीं, काल में, किसी का वसन्त पन्द्रह दिन का है, तो किसी का नौ महीने का। मौजी है अमरूद। बारहों महीने इसका वसन्त-ही-वसन्त है। हिन्दी भवन के सामने गंधराज पुष्पों की पाँत है। ये अजीब हैं, वर्षा में खिलते हैं, लेकिन ऋतु विशेष के उतने कायल नहीं है। पानी पड़ गया तो आज भी फूल दे सकते हैं। कवियों की दुनिया में जिसकी कभी चर्चा नहीं हुई, ऐसी एक घास है - विष्णुकांता। हिन्दी भवन के आंगन में बहुत है। कैसा मनोहर नाम है।

(ब) मनुष्य के हृदयगत रसस्वरूप आनंद की अभिव्यक्ति को काव्य कहते हैं। ब्रह्मानन्द और काव्यानन्द में केवल यही अंतर होता है कि वह संसार-निरपेक्ष और पूर्णतया आत्मगत होता है। काव्य का आनंद संसार-निरपेक्ष तो नहीं होता किन्तु लौकिक से इस बात में भिन्न होता है कि उसमें व्यक्तिगत रहते हुए भी वह क्षुद्र स्वार्थों से ऊँचा उठा हुआ होता है।

अथवा

हाँ, मेरे लिए हिन्दुस्तान एक अछोर विस्तार है, एक अखण्ड संवत्सर है, एक निरंतर चलने वाला सर्वमेध है, जिसमें होता, हवि को ग्रहण करने वाले परस्पर भूमिका बदलते रहते हैं। निरपेक्ष रूप में न कोई होता है, न हवि है, न हवि का भोक्ता। इसलिए गांव में रहूं चाहे न रहूं, गांव मुझमें बराबर रहता है।

(स) कमरे में कोई विशेष सजावट नहीं, किन्तु सारे वायुमण्डल में एक पवित्रता है। पलंग के सिरहाने दो शमादान जल रही है। दूसरी ओर केवल एक है, जिससे आलमगीर की आंखों में चकाचौंध न हो। पलंग के दाहिने ओर ज़ीनत-उन्निसा की पीठिका के समीप ही एक बड़ी खिड़की है, जिससे हवा का मंद झोंका आ रहा है। उससे घने अन्धकार के बीच में आकाश के तारे दिखाई पड़ रहे हैं।

अथवा

मैं आपसे दिल्लगी नहीं कर रहा हूँ। आप लोग हमसे एक पीढ़ी आगे हैं, पर अगर आपसे हिसाब मांगा जाए तो आपके पास क्या है? आप मुझे बताइए, आप लोगों ने दुनिया को क्या दिया? मैं वैज्ञानिक आविष्कारों की बात नहीं करता, उसकी तो एक पूरी स्कीम है, जिसमें पीढ़ियों और समाज का कोई दखल ही नहीं है, वह तो प्रकृति धीरे-धीरे अपने आपको पूरा कर रही है। मैं जानता हूँ, आप मेरे विचारों को दकियानूसी समझकर मन-ही-मन हँस रहे हैं, लेकिन भाईजान, आपने कौन से तीर मारे हैं, आप बताइए?

2. 'अंधेर नगरी नाटक का तात्त्विक विवेचन कीजिए। **12**

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार सामाजिक जीवन में क्रोध की क्या उपयोगिता है?

3. 'उस अमराई ने राम-राम कही है' निबन्ध का सारांश लिखिए। **12**

अथवा

'स्ट्राइक' एकांकी के **उद्देश्य** पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिएः **15**

(i) हिन्दी निबन्ध का विकास

(ii) महादेवी वर्मा की गद्यशैली

(iii) हबीब तनवीर और छत्तीसगढ़ रंगमंच

(iv) व्यंग्य विधा और हरिशंकर परसाई

(v) एकांकी कला

(vi) 'मम्मी ठकुराइन' का उद्देश्य

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पन्द्रह** अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **15**

(i) 'हरिश्चन्द्र चन्द्रिका' का प्रकाशन किसने किया?

(ii) 'महन्त' किस नाटक का पात्र है?

(iii) 'दीपशिखा' किसकी रचना है?

(iv) उस विधा का नाम बताइए जो श्रवण द्वारा ही नहीं अपितु दृष्टि द्वारा भी दर्शकों के हृदय में रसानुभूति कराती है?

(v) 'बहादुर कलारिन' नामक नाटक को किसने लिखा?

(vi) हरिशंकर परसाई जी को किस विश्वविद्यालय ने डी.लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित किया?

(vii) 1935 में प्रकाशित 'कारवां' नामक एकांकी संग्रह किसका है?

(viii) 'कौमुदी महोत्सव' के रचयिता कौन हैं?

(ix) 'राजनाथ' किस एकांकी का पात्र है?

(x) 'दश हजार' किसका विशिष्ट एकांकी है?

(xi) प्रसिद्ध निबन्ध संग्रह 'चिन्तामणि भाग एक एवं दो' की रचना किसने की?

(xii) 'वसन्त आ गया है', आचार्य द्विवेदी का किस तरह का निबन्ध है?

(xiii) बाबू गुलाबराय किस युग के महत्वपूर्ण निबन्धकार हैं?

(xiv) अमराई कब खिलती है?

(xv) आचार्य रामचंद्र शुक्ल किस विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे?

(xvi) किस प्रसिद्ध निबन्धकार का बचपन का नाम बैजनाथ था?

xvii) 'मेरी जीवन यात्रा' में यात्राओं का सविस्तार वर्णन किसने किया है?